अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2023) दिनांक : 22.08.2023

समय सीमा : 3 घंटा षष्टम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

पच्चीस बोल, तत्त्व चर्चा, पच्चीस बोल की चर्चा, पच्चीस बोल की चतुर्भंगी–20

प्र. 1 **पच्चीस बोल–** किन्हीं पांच प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर लिखें– 5

(क) लेश्या किसे कहते हैं? लेश्या कितनी है संख्या बतायें?
(ख) द्रव्य किसे कहते हैं?
(ग) पुण्य का 5,6,7,8 वां प्रकार का नाम लिखें।
(घ) पांच कोटि त्याग में कितने भांगे रूकते हैं
(ङ) चारित्र का 3 नं. अर्थ लिखें।
(च) अंतरंग तप के प्रकारों को लिखें।
(छ) 7वां तथा 17वां दण्डक कौन सा है?

प्र. 2 **तत्त्व चर्या–**किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें– 5

(क) अरिहंत भगवान संज्ञी या असंज्ञी?
(ख) अजीव छह में कौन? नौ में कौन?
(ग) जीव जीव या अजीव?
(घ) दया छह में कौन? नौ में कौन?
(ङ) दिन रात छह में कौन? नौ में कौन?
(च) पुण्य या पुण्यवान एक या दो?
(छ) कर्मों को बांधने वाला छह में कौन? नौ में कौन?

प्र. 3 **पच्चीस बोल की चर्चा–**किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– (किसमें व कौन-कौन से) 5

(क) अठारह दण्डक।
(ख) जीव के आठ भेद।
(ग) सात उपयोग।
(घ) छह योग।
(ङ) ग्यारह गुणस्थान।
(च) आठ प्राण।
(छ) पांच आत्मा।

प्र. 4 **चतुर्भंगी–**किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 5

(क) किस आत्मा के जीव कम, किस आत्मा के जीव अधिक?
(ख) ध्यान किस कर्म का उदय?
(ग) तुम्हारे में आश्रव के भेद कितने?

(घ) द्रव्य जीव या अजीव?
(ङ) किस लेश्या के जीव कम, किस लेश्या के जीव अधिक?
(च) लेश्या जीव या अजीव?
(छ) किस कर्म के जीव कम, किस कर्म के जीव अधिक?

जैन तत्त्व प्रवेश (प्रथम खण्ड) कर्म प्रकृति–20

प्र. 5 **जैन तत्त्व प्रवेश–**किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10
(क) लोकालोक द्वार।
(ख) आत्म द्वार।
(ग) विस्तार द्वार-निर्जरा के आभ्यन्तर प्रकारों का वर्णन करें।
(घ) पारिणामिक भाव के दो प्रकारों से लेकर अंत तक वर्णन करें।
(ङ) सावद्य निरवद्य द्वार।
(च) विस्तार द्वार-बंध-दूसरे व तीसरे प्रश्न का उत्तर सहित वर्णन करें।

प्र. 6 **कर्म प्रकृति–**किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10
(क) अपबर्तना किसे कहते हैं?
(ख) पराघात, उपघात व आतप नाम किसे कहते हैं? वर्णन करें।
(ग) सात वेदनीय कर्म बंध के हेतुओं का वर्णन करें।
(घ) नो कषाय की प्रकृतियों का वर्णन करें।
(ङ) प्रदेश बंध किसे कहते हैं? वर्णन करें।
(च) अशुभ नाम कर्म बंध के हेतुओं के नाम लिखें।
(छ) चारित्र मोह की प्रकृतियों की स्थिति का वर्णन प्रारंभ से लेकर चालीस करोड़ा करोड़ सागर की है, तक की करें।

बावन बोल, इक्कीस द्वार, जैन तत्त्व प्रवेश (द्वितीय, तृतीय खण्ड)–20

प्र. 7 **बावन बोल–**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 6
(क) द्रव्य पुण्य, भाव पुण्य कितने भाव? कितनी आत्मा? तथा छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?
(ख) जीव पारिणामिक के दस भेद छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?
(ग) उदय के तैतीस बोलों में कौन-कौन आत्मा?
(घ) अठारह पापस्थान का उदय उपशम क्षायिक क्षयोपशम निष्पन्न छः द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

प्र. 8 **इक्कीस द्वार–**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 6
(क) असंज्ञी–योग, उपयोग, लेश्या, दृष्टि, भाव, वीर्य।
(ख) अनाहारक–गुणस्थान, योग, उपयोग, वीर्य, दृष्टि, जीव का भेद।
(ग) सम्यक् मिथ्या दृष्टि–योग, आत्मा, वीर्य, दृष्टि, पक्ष, दण्डक।
(घ) चक्षुदर्शनी में–दण्डक, उपयोग, योग, गुणस्थान, जीव के भेद, दृष्टि।

प्र. 9 **जैन तत्त्व प्रवेश–**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) श्रावक प्रतिमा द्वार–पांचवीं तथा ग्यारहवीं प्रतिमा कौन सी है? वर्णन करें।

(ख) दान दया अनुकम्पा द्वार–परिभाषा से प्रारंभ करते हुए व्यावहारिक दान तक लिखें।

(ग) प्रमाण द्वार–नय से प्रारंभ करते हुए अंत तक लिखें।

लघु दण्डक व पांच ज्ञान–20

प्र. 10 लघु दण्डक–किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 12

(क) दृष्टि द्वार।

(ख) ज्योतिष देवों की स्थिति।

(ग) च्यवन द्वार।

(घ) स्थिति द्वार-तिर्यंच पंचेन्द्रिय

(ङ) उपयोग द्वार–सात नारकी से प्रारंभ करते हुए अंत तक लिखें।

प्र. 11 **पांच ज्ञान–**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) प्रतिबोधक दृष्टांत।

(ख) श्रुत के समुच्चय रूप से चार प्रकारों का वर्णन करें।

(ग) अवधिज्ञान के द्वारा देखने की शक्ति का यंत्र लिखें।

संजया-नियंठा–20

प्र. 12 **संजया–**किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 12

(क) छेदोपस्थापनीय चारित्र–स्थिति द्वार लिखते हुए बताएं कि उत्कृष्ट स्थिति के पीछे क्या अपेक्षा है।

(ख) प्रव्रज्या द्वार से आप क्या समझते हैं, टिप्पण के आधार पर पचास हजार दीक्षा का उल्लेख करें।

(ग) सूक्ष्म संपराय चारित्र–सन्निकर्ष द्वार लिखते हुए पास के ही अल्पबहुत्व का वर्णन करें।

(घ) सामायिक चारित्र–कर्म उदीरणा द्वार लिखते हुए बतायें कि यह स्थिति किस प्रकार घटित होती है। परिभाषा भी लिखें।

प्र. 13 **नियंठा–**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) प्रतिसेवना–अंतर द्वार लिखते हुए बतायें कि एक जीव की अपेक्षा से जघन्य स्थिति किस प्रकार घटित होती है?

(ख) समस्त साधुओं की संख्या प्रत्येक हजार करोड़ है, इसका तात्पर्य क्या है? पूर्ण वर्णन करें।

(ग) पुलाक–काल द्वार, कषाय कुशील–परिणाम स्थिति, बकुश–प्रव्रज्या द्वार।